मूल्य 1 रु.
वर्षः 11 - अंक : 57, मुंबई, सोमवार, 12 अप्रैल, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI
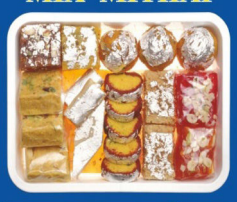
• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

थम गई मुंबई की रफ्तार

वीकेंड लॉकडाउन में सूनी रही सड़कें

लोकल ट्रेन और बसों से गायब रहे मुसाफिर

मुंबई। महाराष्ट्र में शुक्रवार से दो दिन का सख्त लॉकडाउन लगाया गया। दो दिन के लॉकडाउन ने 24 घंटे दौड़ती मुंबई की रफ्तार पर भी ब्रेक लगा दिया। सड़कें सूनी रही और समुद्री किनारे वीरान पड़े हुए थे। शहर में सिर्फ पुलिसकर्मी ही नजर आ रही थी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कोरोना टास्क फोर्स के साथ सीएम उद्धव की बैठक, सभी ने एक सुर में किया लॉकडाउन का समर्थन

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य के कोरोना टास्क फोर्स के साथ रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक बैठक की। इस बैठक में जहां बिस्तरों की उपलब्धता, रेमडेसिविर के उपयोग और प्रतिबंध लगाने के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई, वहीं बैठक में भाग लेने आए सभी अधिकारियों ने लॉकडाउन का समर्थन किया। महाराष्ट्र के मंत्री असलम शेख ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बैठक में कुछ लोग 2 सप्ताह के लिए लॉकडाउन के पक्ष में थे, कुछ 3 सप्ताह के लिए लॉकडाउन के पक्ष में थे। इससे पहले मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि वो अलग-अलग क्षेत्रों के कई जानकारों से बात कर रहे हैं और पिछले कुछ दिनों से वो निजी अस्पतालों से भी बात कर रहे हैं। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि इस लॉकडाउन के तहत सार्वजनिक परिवहन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लोगों के पास घुमने के लिए जरूरी और मान्य कारण होने चाहिए, इसमें मेडिकल और जरूरी सेवाएं सम्मिलित हैं। इसके अलावा अधिकारी ने बताया कि लंबी दूरी की ट्रेनों और हवाई उड़ानों को नहीं रोका जाएगा।

'महाराष्ट्र में 14 अप्रैल के बाद लॉकडाउन पर उचित फैसला'

दादर की फूल मंडी में दिखी भारी भीड़

ऐसा नहीं है कि मुंबई में हर जगह लॉकडाउन का पूरा असर नजर आया। हर दिन की तरह दादर के फूल और सब्जी मार्केट में भी शनिवार सुबह भारी भीड़ देखने को मिली। हालांकि, बाद में पुलिसकर्मियों ने बेवजह बाहर घूम रहे लोगों को वापस उनके घरों में भेजा और सब्जी मंडी के आसपास खुली दुकानों को बंद करवाया।

दोबारा लॉकडाउन लगा तो फूट जाएगा लोगों का गुस्सा: देवेंद्र फडणवीस

मुंबई। बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस ने लॉकडाउन दोबारा लगाने का विरोध जताया है। उन्होंने कहा- पिछला साल लोगों का खराब हुआ है। अब तक लोग बिजली का बिल तक नहीं भर पाए हैं। लोग कैसे जिएंगे। व्यापारी खत्म हो रहे हैं। सरकार को जनता की भावनाओं का ख्याल रखना चाहिए। फडणवीस ने कहा कि अगर राज्य का कर्जा बढ़ता है तो बढ़ने दो, लेकिन सरकार आम जनता के लिए राहत पैकेज दे। अगर एक बार फिर से लॉकडाउन लगाया गया तो लोगों का गुस्सा फूट जाएगा।

एंटीलिया मामला:16 अप्रैल तक एनआईए हिरासत में काजी

वाजे को फर्जी नंबर प्लेट दिलाने का आरोप

संवाददाता / मुंबई। भारत के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी के घर (एंटीलिया) के बाहर विस्फोटक से भरी गाड़ी मिलने के मामले में जांच एजेंसी ने एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने निलंबित पुलिस अधिकारी सचिन वाजे के सहयोगी पुलिस अधिकारी रियाज काजी को रविवार को अपने कब्जे में लिया है। सहायक पुलिस निरीक्षक (एपीआई) काजी को एनआईए ने रविवार को एक बार फिर पूछताछ के लिए बुलाया था और बाद में गिरफ्तार कर लिया।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

संप्रभुता की चिंता

भारतीय समुद्री क्षेत्र में अमेरिकी नौसेना का अभ्यास बड़ी चिंता का विषय है। यह मामला सीधे-सीधे भारत की संप्रभुता से जुड़ा है और सजगता से भी। खुद अमेरिकी नौसैनिक बेड़े ने माना है कि उसने भारत के 'एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन' में अभ्यास किया है। अमेरिकी बेड़े की ओर से जारी विज्ञप्ति इशारा करती है कि अमेरिकी पहले भी भारतीय समुद्री सीमा में आते रहे हैं। अमेरिका भारत का मित्र देश है और यदा-कदा उसका भारतीय क्षेत्र में आ जाना विशेष गंभीरता की बात नहीं है, लेकिन अगर बिना सूचना भारतीय क्षेत्र में अभ्यास की शुरूआत हो रही है, तो इस गलत परंपरा पर लगाम लगाना जरूरी है। अमेरिका भारत की मंजूरी के साथ आए, कोई हर्ज नहीं, लेकिन भारतीय क्षेत्र में किसी अन्य देश द्वारा सैन्य अभ्यास की सूचना छिपी नहीं रहनी चाहिए। अमेरिका ने अगर छिपाया है, तो दाल में कुछ काला देखना गलत नहीं है। विशेषज्ञों को चिंता हो रही है, तो उस चिंता को दूर करना भारतीय विदेश व रक्षा मंत्रालय के लिए जरूरी है। अमेरिकी नौसेना की सातवीं फ्लीट की टिप्पणी विशेष रूप से सवाल खड़े कर रही है। क्या अमेरिकी बल भारत-प्रशांत क्षेत्र में हर दिन ऑपरेशन करते हैं? क्या ये सभी ऑपरेशन किन्हीं अंतरराष्ट्रीय कानूनों को ध्यान में रखकर किए जाते हैं? अंतरराष्ट्रीय कानून क्या कहता है? क्या अमेरिकी सुरक्षा बल कहीं भी उड़, तैर और अभ्यास कर सकते हैं? यदि अमेरिकी बेड़े के जवाब में भारत की परवाह शामिल नहीं है, तो आधिकारिक स्तर पर भारत को अपनी बात रखनी चाहिए। ऐसा ही खतरा जब चीन की ओर से अंडमान निकोबार के पास पैदा हुआ था, तब भारत ने कड़ी आपत्ति की थी, ठीक वैसी ही आपत्ति अमेरिका के साथ भारत भले न जताए, पर इतना दबाव तो बनाना ही चाहिए कि अमेरिकी बेड़ा अपने जवाब में शालीनता और मित्रता के शब्द जरूर रखे। भारत जैसे दूसरे देशों की संप्रभुता की कद्र करता है, ठीक वैसी ही उम्मीद उसका हक है। ऐसा न हो कि कोई देश मित्रता का सहारा लेकर भारत की अवहेलना करे। कतई जरूरी नहीं कि अमेरिका के साथ संबंधों में भारत एक विवाद पैदा कर ले, लेकिन अपनी गरिमा की रक्षा के लिए सजग होना अनिवार्य है। कायदा यह है कि किसी भी तटीय देश के एक्सक्लूसिव इकोनॉमिक जोन की सीमा समुद्र तट से 200 नॉटिकल मील यानी 370 किलोमीटर की दूरी तक होती है। इस क्षेत्र में मौजूद समुद्री संसाधनों पर संबंधित देश का अधिकार होता है। अतः कोई शक नहीं कि अमेरिका को पूछकर ही अभ्यास करना चाहिए था। अगर अमेरिका ने ऐसा नहीं किया है, तो इसके दो अर्थ हो सकते हैं। पहला, भारत से मित्रता का वह लाभ लेना चाहता है और उसे लगता है, चीन की वजह से उलझा भारत आपत्ति नहीं करेगा। दूसरा अर्थ, विगत दिनों अमेरिकी मंत्रियों और विशेष दूत ने भारत दौरा किया है, क्या कोई ऐसी बात है, जो भारत ने नहीं मानी है, या जो अमेरिका को बुरी लगी है, और वह भारत को दबाव में लाना चाहता है। आज जिस दौर में दुनिया है, उसमें किसी भी आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता। हमें अधिकतम पारदर्शिता के साथ चलना चाहिए। अपने स्वभाव के अनुरूप संभावनाओं की तलाश भारत को जारी रखनी चाहिए और यह भी ध्यान रखना चाहिए कि उदारता किसी भी मोर्चे पर देश के लिए बोझ न बने।

कोरोना: भारत में तब-अब

क्या फर्क है संक्रमण-लॉकडाउन के पिछले कोहराल और अब के कोहराम में? जवाब है कोई गुणात्मक परिवर्तन नहीं। वायरस के आगे भारत पहले भी झूठ में जीता हुआ था और अब भी है। भारत की भीड़ पहले भी वायरस को नकारते हुए थी और आज भी है। लोग तब भी भगवान भरोसे थे अब भी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संकट में तब भी अवसर बनाते हुए थे अब भी अवसर तलाशते हुए है। तब भी टेस्टिंग-ट्रेसिंग-आईसोलेशन-चिकित्सा पर फोकस दिखावे का था अब भी है। भारत तब भी ढिढ़ोरा बनाए हुए था कि सब काबू में है। वायरस खत्म होता हुआ है। भारत विजयी है और महामारी दूसरे देशों के लिए आफत है लेकिन हमारे लिए नहीं। वह सब प्रोपेगेंडा आज भी है।

भारत ने आंकड़ों, टेस्ट-ट्रैस-संक्रमण-ईलाज में जितना झूठ बनाया-चलाया वह सन् 2020 की इतिहास में यह दास्ता लिखाए हुए होगा कि वैश्विक महामारी के वक्त जब मोदी राज था तो लोगों की जान के साथ कैसे खेला गया?21वी सदी में भी भारत के हिंदू कैसे अंधविश्वासों, ताली-थाली-दीये के टोटको, और अवैज्ञानिकता में राजा के दिवाने थे। तभी वैक्सीन, टीके से पहले की संक्रमण वेव और टीका आने के बाद की दूसरी लहर की जमीनी हकीकत में फर्क नहीं है। पिछड़े-गरीब देशों को एक तरफ कर यदि सोचे तो भारत दुनिया का अकेला देश होगा जिसका मार्च 2020 और मार्च 2021 का बजट महामारी से लड़ने के पैमाने वाला पैसा, लोगों को राहत के वैसे पैकेज लिए हुए नहीं था जैसे अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी आदि के बजट प्रस्तावों में हुआ हैं। हां, सन 2020 में प्रधानमंत्री मोदी ने जरूर अपनी कमान में एक पीएम केयर फंड बनाया था। उसमें देश भर से चंदा डलवाया गया। और साल बाद सेकेंड वेव के दौरान किसी को पता नहीं है कि वह फंड कहां गया? महामारी की रोकथाम मेंउसका कहां-क्या

और किस-किस मद में उपयोग हुआ या हो रहा है! अन्यथा 138 करोड लोगों का देश कोरोना महामारी के आगे बिना स्पेशिफिक फंड के लड़ाई लड़ता हुआ है! भारत चलती का नाम गाड़ी है, भारत राष्ट्र-राज्य अपनी तह, एकाग्रता, संकल्पशक्ति, फोक्स्ड हो कर संकट विशेष या समस्या, आपदा-विपदा-महामारी के स्थायी ईलाजमें खप नहीं सकता, इस हकीकत के खुलासे का नाम है कोरोना महामारी में एक साल का सफर। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप हो या बाईडेन, ब्रिटेन में बारिस जॉनसन या जर्मनी में मर्केल या चीन के शी जिन पिंग इन सबका पिछले पूरे साल लगातार वायरस पर फोकस रहा। रोजमर्रा के तमाम मुद्दों और ब्रिटेन में ब्रेक्सिट जैसी समस्या की चुनौती के बावजूद विश्व नेताओं का फोकस वैक्सीन बनवाने, एक के बाद एक लॉकडाउन, लोगों के घर पैसा पहुंचाने, चिकित्सा से लेकर अंतिम संस्कार के बंदोबस्तों के चाकचौबंद बंदोबस्त पर था। वहां संसद लगातार बैठी और ईमानदारी के साथ प्रधानमंत्री, मंत्री सूचना देते हुए थे। मतलब पूरे बारह महिनों दुनिया के इन देशों में सरकार, मीडिया सबका सौ फिसद फोकस महामारी पर था। क्यों? इसलिए कि इन देशों की बुद्धी, राष्ट्र-राज्य की बुनावट में यह सत्य पैंठा हुआ है कि महामारी है तो अर्थ लोगों की मौत है। और इसमें पहली प्राथमिकता एक-एक नागरिक की जान बचाना है। सो जब भी वैज्ञानिक कहें संक्रमण रोकने के लिए बार-बार लाकडाउन हो। टेस्ट-ट्रेसस-ईलाज में कमी न आने दो। वैक्सीन विकास के लिए आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय या किसी भी संस्थान को पैसा चाहिए तो उसके लिए खजाना खोल दों। ठिक विपरित भारत के प्रधानमंत्री ने बिना तैयारी के घोषित एक लॉकडाउन पर ही 21दिनों में कोरोना पर विजय का डंका पीट डाला। लोगों से टोटके कराएं। झूठ-अंधविश्वास से महामारी के प्रति लापरवाही बनवाई और जब लगा कि वायरस खत्म नहीं होने वाला तो महामारी के साथ जीने का मनोभाव बनवाया। जान के साथ जहान की चिंता का आव्हान, महामारी आत्मनिर्भरता का अवसर, अवसर के वक्त में कृषि बिल, एक के बाद एक चुनाव आदि से फोकस बांट, अपना प्रोपेगेंडा बना 138 करोड़ लोगों की भीड़ को हर तरह से महामारी के प्रति लापरवाह बना डाला। तभी तब और अब का नंबर एक फर्क है कि पहले 138 करोड़ों लोग चिंता, डर व अनहोनी होने, मौत के खतरे को समझे हुए थे जबकि अब जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिना मास्क के जंगी चुनावी सभाओं में भाषण करते हुए है तो लोगों का बेफिक्र होना, बेपरवाह बनना स्वभाविक है। सो सेकेंड वेव, संक्रमण की दूसरी लहर में सरकारे कितनी ही पांबदी लगाए, डंडा चलाए लोग अप्रैल 2020 जैसी फिक्र में नहीं लौटने है। लोगों के दिल-दिमाग में महामारीकी खबरे है लेकिन फिक्र नहीं। वह संक्रमित नहीं होगा, यह मनोविज्ञान बहुसंख्यक लोगों का है। अप्रैल 2020 में लोग मौत के खौफ में स्वंयस्फूर्त घरों में बंद हुए थे। अपनी सुरक्षा के लिए गरीब जन भी पैदल घरों के लिए निकल पड़े थे। वैसा क्या आज मूड़ है?कतई नहीं! और ऐसा तब है जब वायरस की दूसरी लहर, सुनामी की तरह उठती हुई है। और तो और सरकार भी वापिस लॉकडाउन की जरूरत नहीं मान रही!

एनसीपी नहीं, शिवसेना खतरे में!

महाराष्ट्र में सत्ता और राजनीति का समीकरण तेजी से बदल रहा है। राज्य सरकार और सत्तारूढ़ गठबंधन को संकट में डालने वाला जो विवाद शरद पवार की पार्टी एनसीपी के नेता अनिल देशमुख से शुरू हुआ था उसके जाल में शिव सेना फंसती दिख रही है। अहमदाबाद में अमित शाह के साथ शरद पवार और प्रफुल्ल पटेल की हुई कथित मुलाकात के बाद तेजी से समीकरण बदला है। अनिल देशमुख ने तो गृह मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया लेकिन उसके बाद अब सारा निशाना शिव सेना के ऊपर हो गया है। वैसे कई जानकार नेताओं का यह भी कहना है कि अनिल देशमुख का इस्तीफा एनसीपी या शरद पवार के लिए झटका नहीं है क्योंकि वे असल में जिसे गृह मंत्री बनाना चाहते थे वह बन गया। ध्यान रहे अनिल देशमुख के इस्तीफे के बाद दिलीप वलसे पाटिल को नया गृह मंत्री बनाया गया है। कुछ दिन पहले ही शिव सेना के सांसद संजय राउत ने कहा था कि अनिल देशमुख एक्सीडेंटल गृह मंत्री हैं, शरद पवार असल में जितेंद्र पाटिल या दिलीप वलसे पाटिल को गृह मंत्री बनाना चाहते थे। इस लिहाज से अनिल देशमुख के

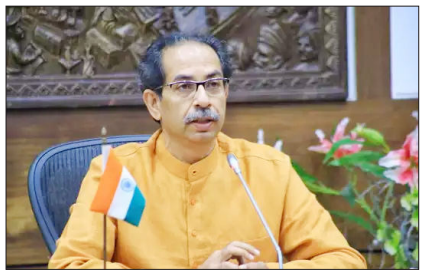

इस्तीफे से एनसीपी को कोई नुकसान नजर नहीं आ रहा है। लेकिन दूसरी ओर एंटीलिया कांड से लेकर मनसुख हिरेन की मौत और सैकड़ों करोड़ रुपए की वसूली के आरोपों के घेरे में शिव सेना आ गई है। केंद्रीय एजेंसियों की जांच धीरे धीरे शिव सेना के बड़े नेताओ की ओर बढ़ रही है। मुकेश अंबानी के बंगले के बाहर विस्फोटक से भरी गाड़ी खड़ी करने और गाड़ी के मालिक मनसुख हिरेन की हत्या के आरोप में जेल में बंद पुलिस अधिकारी सचिन वझे का बयान या उनका चिट्ठी लिखना मामूली बात नहीं है। यहां तक कि अदालत ने भी इस पर सवाल उठाया है। जेल में बंद वझे ने शिव सेना नेताओं को उलझा दिया है। उसने वसूली के मामले में अनिल देशमुख के साथ साथ शिव सेना के बड़े नेता और राज्य सरकार के मंत्री अनिल परब का भी नाम लिया है और कहा कि परब ने उससे सेवा में बने रहने के लिए दो करोड़ रुपए मांगे थे। सोचें, बकौल देवेंद्र फड़नवीस जिस अधिकारी की सेवा बहाल करने के लिए खुद उद्धव ठाकरे ने उनसे पैरवी की थी, उससे शिव सेना का कोई नेता दो करोड़ रुपए मांगे, क्या यह बात गले उतरती है? लेकिन केंद्रीय जांच एजेंसियों के शिकंजे में फंसे वझे ने कहा कि परब ने उनसे दो करोड़ रुपए मांगे थे। इतना ही नहीं वझे ने मुंबई में इनकाउंटर के लिए मशहूर रहे पुलिस अधिकारी प्रदीप शर्मा का भी नाम लिया है। तभी राष्ट्रीय जांच एजेंसी, एनआईए ने दो दिन प्रदीप शर्मा से पूछताछ की। ध्यान रहे प्रदीप शर्मा सेवा से इस्तीफा देकर शिव सेना में शामिल हो गए हैं और पिछला चुनाव उन्होंने शिव सेना की टिकट से लड़ा था। वे शिव सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के करीबी हैं। सो, अनिल परब और प्रदीप शर्मा का नाम लेकर वझे ने शिव सेना की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

कानूनी सलाह

दै. मुंबई हलचल के सभी पाठकों और शुभचिंतकों का बहुत-बहुत अभिनंदन। दै. मुंबई हलचल अपने पाठकों के लिए लेकर आया है- कानूनी सलाह। जी हाँ, आप इस फोरम पर अपनी कानूनी समस्या पर सलाह प्राप्त कर सकते हैं।

आज का विषय

मुझे डर है की पुलिस मुझे गिरफ्तार कर सकती है, अगर पुलिस मुझे गिरफ्तार करती है तो मेरे क्या अधिकार है?

उत्तर : अक्सर देखा जाता है की जब पुलिस हमे गिरफ्तार करती है, तो हम घबरा जाते हैं. वोह इसलिए क्यूंकि हमे गिरफ्तार होने पर इस बात का पता ही नहीं होता की गिरफ्तार होने के उपरांत भी उनके कई अधिकार होते हैं. सभी मनुष्यों का जन्म जीवन के अधिकार, व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार आदि के साथ होता है, मानव अधिकारों को भारत के संविधान और मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा के तहत निहित किया जाता है। किसी व्यक्ति को इस आधार पर उसके अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सकता कि उसे हिरासत में लिया गया है। एक गिरफ्तार व्यक्ति के विभिन्न अधिकारों को आपराधिक प्रक्रिया संहिता, भारत के संविधान और विभिन्न ऐतिहासिक निर्णयों से समझा जा सकता है।

एक गिरफ्तार व्यक्ति के अधिकार

1) एरेस्ट के आधार जानने का अधिकार

सीआरपीसी की धारा 50 में कहा गया है कि प्रत्येक पुलिस अधिकारी या कोई अन्य व्यक्ति जो बिना वारंट के किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने के लिए अधिकृत है, उसे गिरफ्तार व्यक्ति को उस अपराध के बारे में सूचित करना चाहिए जिसके लिए उसे गिरफ्तार किया गया है और ऐसी गिरफ्तारी के लिए अन्य आधार हैं। यह पुलिस अधिकारी का कर्तव्य है और वह इसे मना नहीं कर सकता।

२) सीआरपीसी की धारा 50 ए किसी व्यक्ति को अपने हित में किसी मित्र या रिश्तेदार या किसी अन्य व्यक्ति को गिरफ्तारी की सूचना देने के लिए एक गिरफ्तारी के लिए बाध्य करती है। पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार व्यक्ति को सूचित करना चाहिए कि हिरासत में डालते ही उसे नामांकित व्यक्ति को उसकी गिरफ्तारी की जानकारी का अधिकार है।

३) सीआरपीसी की धारा 55 में कहा गया है कि जब भी किसी पुलिस अधिकारी ने किसी भी व्यक्ति को बिना वारंट के गिरफ्तार करने के लिए अपने अधीनस्थ को अधिकृत किया है, तो अधीनस्थ अधिकारी को लिखित आदेश के पदार्थ से गिरफ्तार व्यक्ति को सूचित करने की आवश्यकता है, जो अपराध और गिरफ्तारी के अन्य आधारों को निर्दिष्ट करता है।

४) सीआरपीसी की धारा 75 में कहा गया है कि वारंट को अंजाम देने वाले पुलिस अधिकारी (या कोई अन्य अधिकारी) को गिरफ्तार व्यक्ति को पदार्थ अधिसूचित करना चाहिए और यदि आवश्यक हो तो उसे वारंट दिखाना चाहिए।

५) भारत के संविधान के अनुच्छेद 22 (1) में यह भी कहा गया है कि किसी भी पुलिस अधिकारी को गिरफ्तारी के आधार को बताए बिना किसी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं करना चाहिए।

2) अनावश्यक देरी के बिना मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किया जाना है

१) सीआरपीसी की धारा 55 में कहा गया है कि बिना वारंट के गिरफ्तारी करने वाले पुलिस अधिकारी को गिरफ्तारी की शर्तों के अधीन मजिस्ट्रेट के अधिकार क्षेत्र या थाने के प्रभारी अधिकारी के समक्ष बिना किसी देरी के गिरफ्तारी का उत्पादन करना चाहिए।

२) सीआरपीसी की धारा 76 में कहा गया है कि गिरफ्तारी के वारंट को अंजाम देने वाले पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार व्यक्ति को अदालत के समक्ष पेश करना चाहिए, जिससे पहले उस व्यक्ति को उत्पादन करने के लिए कानून की आवश्यकता हो। यह बताता है कि गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर व्यक्ति का उत्पादन किया जाना चाहिए। 24 घंटे की समयावधि की गणना करते समय, यह उस समय को बाहर करना चाहिए जो मैजिस्ट्रेट कोर्ट में हिरासत की जगह से यात्रा के लिए आवश्यक है।

३) संविधान के अनुच्छेद 22 (2) में कहा गया है कि गिरफ्तारी करने वाले पुलिस अधिकारी को गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाना चाहिए। यदि पुलिस अधिकारी 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश होने में विफल रहता है, तो वह गलत हिरासत के लिए उत्तरदायी होगा।

3) जमानत पर रिहा होने के अधिकार

सीआरपीसी की धारा 50 की सदस्यता (2) में कहा गया है कि जब कोई पुलिस अधिकारी किसी व्यक्ति को गैर-संज्ञेय अपराध के अलावा अन्य अपराध के लिए गिरफ्तार करता है; वह उसे सूचित करेगा कि उसे जमानत पर रिहा करने और अपनी ओर से जमानत की व्यवस्था करने का अधिकार है।

4) एक निष्पक्ष परीक्षण के अधिकार

एक उचित परीक्षण के अधिकार से संबंधित कोई भी प्रावधान सीआरपीसी में नहीं दिया गया है, लेकिन ऐसे अधिकार संविधान और विभिन्न निर्णयों से लिए जा सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 14 में कहा गया है कि 'सभी व्यक्ति कानून के समक्ष समान हैं'। इसका मतलब यह है कि विवाद के सभी पक्षों को समान उपचार दिया जाना चाहिए। दोनों पक्षों के संबंध में प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत पर विचार किया जाना चाहिए। हुसैनारा खातून बनाम गृह सचिव, बिहार राज्य [4] के मुकदमे में एक त्वरित मुकदमे के अधिकार को मान्यता दी गई है, अदालत ने कहा- 'मुकदमे का निपटारा यथाशीघ्र किया जाना है।'

5) एक वकील से परामर्श करने का अधिकार

सीआरपीसी की धारा 41 डी में कैदियों को पूछताछ के दौरान अपने वकील से परामर्श करने का अधिकार है। संविधान के अनुच्छेद 22 (1) में कहा गया है कि गिरफ्तार व्यक्ति को वकील नियुक्त करने और अपनी पसंद के वकील द्वारा बचाव करने का अधिकार है। सीआरपीसी की धारा 303 में कहा गया है कि जब किसी व्यक्ति पर आपराधिक अदालत के समक्ष अपराध करने का आरोप लगाया जाता है या जिसके खिलाफ कार्यवाही शुरू की गई है, तो उसे अपनी पसंद के कानूनी चिकित्सक द्वारा बचाव का अधिकार होता है।

6) कानूनी सहायता को मुक्त करने का अधिकार

१) सीआरपीसी की धारा 304 में कहा गया है कि जब सत्र न्यायालय के समक्ष एक परीक्षण किया जाता है, और अभियुक्त का कानूनी चिकित्सक द्वारा प्रतिनिधित्व नहीं किया जाता है, या जब यह प्रतीत होता है कि अभियुक्त के पास एक याचिकाकर्ता को नियुक्त करने का कोई पर्याप्त साधन नहीं है, तो अदालत एक नियुक्त कर सकती है राज्य की कीमत पर अपने बचाव के लिए याचिकाकर्ता।

२) अनुच्छेद 39 एक राज्य को न्याय हासिल करने के उद्देश्य से मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए बाध्य करता है। यह अधिकार स्पष्ट रूप से खत्री (द्वितीय) बनाम बिहार राज्य के मामले में भी दिया गया है। अदालत ने कहा कि 'देसी अभियुक्त को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए'। यह उस समय भी दिया जाता है जब समय शुरू होने के साथ पहली बार आरोपी को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाता है। आरोपी व्यक्ति के अधिकार को तब भी अस्वीकार नहीं किया जा सकता है जब आरोपी इसके लिए आवेदन करने में विफल रहता है। यदि राज्य अपीलीय आरोपी व्यक्ति को कानूनी सहायता प्रदान करने में विफल रहता है, तो यह पूरे परीक्षण को शून्य के रूप में मिटा देगा। अरुणाचल प्रदेश के सुख दास बनाम केंद्र शासित प्रदेश के मामले में, अदालत ने कहा: 'जब आरोपित इसके लिए आवेदन करने में विफल रहता है, तब भी' अपीलीय अभियुक्त के अधिकार को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। यदि राज्य अपीलीय आरोपी व्यक्ति को कानूनी सहायता प्रदान करने में विफल रहता है, तो यह पूरे परीक्षण को शून्य घोषित कर देगा।

आपकी अगर कोई कानूनी समस्या है तो हमें लिखें, हम आपका मार्गदर्शन करेंगे।
Dr. S.P. Ashok
B.Tech, LL.M., DTL, PGD (ADR)
Ph.D. (Law)

रेलवे ने लोगों से ट्रेनों में भीड़ की फर्जी वीडियो साझा न करने की अपील की

मुंबई। मध्य रेलवे ने नागरिकों से दूसरे राज्यों में जाने वाली ट्रेनों में भीड़ की पुरानी और फर्जी वीडियो साझा न करने और इसके बजाय यात्रा के दौरान कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए उचित व्यवहार करने का अनुरोध किया। जोनल रेलवे ने दावा किया कि मुंबई में विभिन्न स्टेशनों पर भीड़ को दिखाने वाली कुछ पुरानी वीडियो सोशल मीडिया पर चल रही हैं और कुछ खबरों में झूठ कहा गया है कि लोगों की बड़े पैमाने पर आवाजाही हो रही है। वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजीव मित्तल ने लोगों से अपील की कि कोविड-19 महामारी के चुनौतीपूर्ण दौर में ऐसी पुरानी और फर्जी वीडियो के बारे में कोई अनुमान न लगायें। अधिकारी ने कहा, यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे गर्मियों में अधिक ट्रेनें चलाता है और पर्याप्त टिकट उपलब्ध कराए जाते हैं और केवल कंफर्म टिकट वाले यात्रियों को ही ट्रेनों में सफर करने दिया जाता है। मित्तल ने कहा कि अप्रैल और मई में ट्रेनों में आमतौर पर ज्यादा भीड़ होती है और यात्रियों की मौजूदा संख्या सामान्य है और उन्होंने पिछले साल की तरह इस बार प्रवासियों की कोई भीड़ नहीं देखी। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया पर पुरानी, फर्जी वीडियो चलने के संबंध में राजकीय रेलवे पुलिस में एक शिकायत दर्ज कराई गई है और रेलवे सुरक्षा बल भी इस मामले की जांच करेगा। रेलवे महाप्रबंधक ने यात्रियों से कोविड-19 से संबंधित सभी नियमों और मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करने की भी अपील की।

(पृष्ठ 1 का शेष)

थम गई मुंबई की रफ्तार

लॉकडाउन के बावजूद पब्लिक ट्रांसपोर्ट यानी ट्रेन, बेस्ट बस, ऑटो, काली-पीली टैक्सी और एसटी बसें चल रही थी। हालांकि, सभी में इक्का-दुक्का लोग ही दिखाई दे रहे थे। मुंबई की लाइफलाइन यानी लोकल ट्रेन में न के बराबर मुसाफिर थे। सिर्फ बेहद जरूरी सेवाओं से जुड़े लोग ही सफर करते दिखे, वहीं छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्टेशन पर भी सन्नाटा रहा, जबकि आम दिनों में यहां भारी भीड़ देखने को मिलती है। सरकार की सख्ती और कोरोना के डर की वजह से मुंबई के भीड़ वाले दादर, माटुंगा, अंधेरी, ग्रांट रोड, वर्ली, कुर्ला, भिंडी बाजार, घाटकोपर और मस्जिद बंदर जैसे इलाकों में सड़कें सुनसान पड़ी हुई थी। बिना काम के बाहर निकलने वालों का न सिर्फ चालान काटा जा रहा था, बल्कि कई जगह उन्हें कान पकड़ कर उठक-बैठक भी लगवाई गई। लॉकडाउन के बावजूद हाईवे को बंद नहीं किया गया था। शनिवार सुबह मुंबई के वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे और ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर पुलिस की गाड़ियां और एम्बुलेंस ही दौड़ती हुई नजर आईं। आम दिनों में यहां वाहनों की लंबी कतार देखने को मिलती है। कई बार तो 2 से 5 घंटे तक का जाम भी लग जाता है। महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने रविवार को कहा कि प्रदेश में लॉकडाउन लगाने के संदर्भ में उचित फैसला 14 अप्रैल के बाद लिया जाएगा। वायरस की कड़ी तोड़ने के लिये मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अध्यक्षता में हुई कार्य बल की डिजिटल बैठक में लॉकडाउन लगाने समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद टोपे संवाददाताओं को जानकारी दे रहे थे। मंत्री ने कहा, आज की बैठक में लॉकडाउन की अवधि और इससे होने वाली आर्थिक गिरावट से कैसे निपटना है, इस पर चर्चा हुई। कार्य बल का यह मानना है कि राज्य में कोरोना वायरस के हालात ऐसे हैं कि लॉकडाउन की जरूरत है। बैठक में राज्य के चिकित्सा शिक्षा मंत्री अमित देशमुख, मुख्य सचिव सीताराम कुंटे और अन्य लोगों ने हिस्सा लिया। प्रदेश सरकार ने पिछले हफ्ते कुछ पाबंदियों की घोषणा की थी जिनमें सप्ताहांत पर लॉकडाउन, रात्रि कर्फ्यू और दिन में निषेधाज्ञा शामिल हैं। ये पाबंदियां 30 अप्रैल तक जारी रहेंगी। उद्धव ठाकरे सरकार में मंत्री असलम शेख ने कोरोना के बढ़ते मामलों पर तंज कसा है। असलम शेख ने रविवार को कहा कि हमने कोविड-19 टास्क फोर्स से यह जांच करने के लिए कहा है कि केवल महाराष्ट्र में मामले क्यों बढ़ रहे हैं और उन राज्यों में नहीं बढ़ रहे हैं, जहां पर इस समय चुनाव हो रहे हैं। महाराष्ट्र के मंत्री असलम शेख ने कहा कि पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के दौरान कई मंत्री वहां बड़े पैमाने पर सभाएं कर रहे हैं, लेकिन वहां कोरोना संक्रमण के मामलों में कोई उछाल नहीं देखने को मिल रहा है।

एंटीलिया मामला: 16 अप्रैल तक एनआईए हिरासत में काजी

एनआईए कोर्ट ने काजी को 16 अप्रैल तक के लिए एनआईए कस्टडी में भेज दिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एंटीलिया के बाहर एक एसयूवी में विस्फोटक सामग्री मिलने के मामले में यह गिरफ्तारी की गई है। बता दें कि एनआईए ने इस मामले में वाजे को 13 मार्च को गिरफ्तार किया था। मुकेश अंबानी के दक्षिण मुंबई स्थित आवास के पास 25 फरवरी को एसयूवी में विस्फोटक मिलने और ठाणे के कारोबारी मनसुख हिरन की हत्या के मामले में एनआईए ने पहले भी काजी से पूछताछ की थी। अधिकारी ने कहा कि काजी को पिछले महीने मुंबई अपराध शाखा से सस्पेंड कर दिया गया था। इससे पहले एक सीसीटीवी फुटेज में काजी को यहां विखरोली इलाके में नंबर प्लेट की एक दुकान में घुसते हुए और दुकान के मालिक से बातचीत करते हुए देखा गया था। काजी को दुकान से एक डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर और एक कम्प्यूटर ले जाते हुए भी देखा गया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि काजी को पड़ोस के ठाणे में वाजे के आवासीय परिसर से सीसीटीवी फुटेज लेते हुए भी देखा गया था। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसी को संदेह है कि काजी ने दक्षिण मुंबई में अंबानी के घर के पास मिली एसयूवी के लिए फर्जी नंबर प्लेट हासिल करने में वाजे की मदद की थी।

समाचार विशेष
मुंबई, सोमवार, 12 अप्रैल 2021

बेपरवाही का सबब: पुणे में लोगों ने मास्क छोड़ा तो 10 गुना बढ़ गए मरीज, आईटी हब बना कोरोना हब

संवाददाता

पुणे। कोरोना की दूसरी लहर में तो समूचे महाराष्ट्र में मानो महामारी का कहर टूट पड़ा है। देश के इस राज्य में मिल रहे मरीजों की संख्या चौंकाने वाली है। महाराष्ट्र में भी मुंबई व पुणे के हाल बेहाल हैं। आईटी हब पुणे में दूसरी लहर की मुख्य वजह लोगों का मास्क पहनना छोड़ना है। शहर में पिछली बार के मुकाबले दस गुना तेजी से मरीज बढ़े हैं। मुंबई, पुणे व नागपुर महाराष्ट्र के ऐसे शहर हैं, जो कोरोना महामारी से सर्वाधिक परेशान हैं। अस्पतालों से लेकर उनके बरामदों व होटलों तक में मरीजों को भर्ती कराकर इलाज कराना पड़ रहा है। पुणे के 110 अस्पतालों

में महामारी का इलाज हो रहा है, लेकिन सब दूर बेड भर गए हैं। पुणे सूचना प्रौद्योगिकी, शिक्षा व उद्योग का बड़ा केंद्र है। मुंबई की तरह ही आबादी भी अधिक होने से महामारी का खतरा भी ज्यादा था ही, लेकिन लापरवाही ने करेला और नीम चढ़ा जैसा काम कर दिया। शहर कोरोना हब बन गया है।

मास्क क्या उतारे, उतर गया नूर: पुणे नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आशीष भारती का कहना है कि लोगों को दूसरी लहर इतनी खतरनाक होगी, यह अंदाजा ही नहीं था। जैसे ही अनलॉक शुरू हुआ लोगों ने मास्क उतार दिए। यही वजह है कि अब कोरोना लोगों के चेहरे का नूर उतार रहा है।

शादियों में मेहमान बन आया कोरोना: शादियों व अन्य सामाजिक आयोजनों में तो लोग भूल ही गए थे कि महामारी के विषाणु अभी जिंदा हैं और हमारे आसपास मौजूद हैं। सैकड़ों की तादाद में शादियां हुईं और उसमें मेहमान बनकर कोरोना ने भी खूब शिरकत की। उसका खामियाजा पूरा शहर भोग रहा है।

पुणे प्रशासन यहां चूक गया: जनता को भले दूसरी लहर आने का अंदेशा नहीं था, लेकिन वैज्ञानिकों व सरकार को तो था। इसके बावजूद उसे हल्के तौर पर लिया गया। अनलॉक में सरकार व प्रशासन भी चैन की नींद सो गया। फिर क्या था, मौसम के करवट लेते ही संक्रमण बढ़ा और अब दस गुना तेजी से मरीज निकल रहे हैं। महापौर मुरलीधर मोहोल मान रहे हैं कि अनलॉक में लोगों के साथ ही शासन-प्रशासन से भी चूक हुई।

रोज छह हजार नए मामले, औसत 60-70 मौतें

पुणे में रोज 60 से 70 लोग जान गंवा रहे हैं और 5500-6000 के बीच नए मामले आ रहे हैं। शहर में अब तक 325 कंटेनमेंट जोन हैं। इनकी संख्या लगातार बढ़ानी पड़ रही है। समूचे महाराष्ट्र में रोजाना 50 हजार से ज्यादा मरीज मिल रहे हैं। यह संख्या देश में सर्वाधिक है। दूसरी लहर में हालत बिगड़ने के बाद प्रशासन ने नए सिरे से पाबंदियां लगाई हैं।

राहुल गांधी का पीएम पर तंज: 'आम खाना तो ठीक था, आम जन को तो छोड़ देते'

संवाददाता

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर लगातार गंभीर होती जा रही है। देश में एक दिन में संक्रमण के डेढ़-डेढ़ लाख से अधिक नए मामले सामने आ रहे हैं। वहीं, विपक्ष इसे लेकर केंद्र सरकार पर लगातार हमलावर है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी रविवार को एक ट्वीट कर इस मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरा और सवाल उठाए। उन्होंने कोरोना मामलों के साथ आम आदमी की समस्याओं और एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग) क्षेत्र की समस्याओं पर भी केंद्र पर तंज कसा। गांधी ने ट्वीट किया, 'न कोरोना पे काबू, न पर्याप्त वैक्सीन, न रोजगार, न किसान-मजदूर की सुनवाई, न एमएसएमई सुरक्षित, न मध्य वर्ग संतुष्ट... आम खाना ठीक था, आम जन को तो छोड़ देते।'

ट्रांसकीन नव्या सिंह को बड़े परदे पर एंसन थॉमस की 'प्लेज टू प्रोटेक्ट' बॉलीवुड बायोपिक में एक ज्वलंत, भावुक, आकर्षक, आइटम गीत में देखा जाएगा

एंसन थॉमस ने कामठीपुरा, कलकत्ता, पुणे और दिल्ली के ८०० से अधिक लड़कियों को बचाया है और उन्हें २००९ में सीएनएन-आईबीएन द्वारा रियल हीरोज पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। वेश्यालयों और लड़की तस्करी के चंगुल में फंसी युवा लड़कियों को बचाने में उनका दिल से इरादा 'प्लेज टू प्रोटेक्ट' नामक एंसन थॉमस की बायोपिक में करीब से और असलियत में देखा जा सकता है। वेश्यालय के व्यवसायी द्वारा अपने बचाव मिशन के खिलाफ रेड लाइट एरिया में कई बार एंसन थॉमस के हत्या की कोशिश कई गई थी, हालाँकि, उन्होंने संघर्ष किया, प्रयास किया, और सभी बाधाओं को दूर किया। यह बायोपिक सिर्फ उनकी जीवन कहानी नहीं है, बल्कि असुरक्षित, हर अंधेरे कोने में महिलाओं का शोषण करने वाली और भारत की कुछ बदसूरत गलियों की महिलाओं की रक्षा करने की उनकी प्रतिज्ञा भी है, जिसे साफ करने के मिशन पर एंसन थॉमस हैं। इस फिल्म के माध्यम से, एंसन थॉमस यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि प्रत्येक भारतीय परिवार में प्रत्येक पुरुष और महिलाओं द्वारा महिला उत्थान सुनिश्चित करने की शपथ ली जाए, न केवल शिक्षित तबके में बल्कि भारत के गौर गरीब लोगो में भी, जहां महिलाओं को समाज के शोषकों द्वारा आनंद का स्रोत माना जाता है।

यह फिल्म एंसन थॉमस के सच्चे संघर्षों, उनकी विफलता और बचाव मिशन में सफलताओं, मृत्यु के साथ उनके संघर्ष, वेश्यालय के घर के सौदागरों द्वारा बिछाई गई जाल और इन ८०० लड़कियों के दुख और उड़ान के बारे में है जिनको उन्होंने पूरे भारत में बचाया था। यह फिल्म एक स्पोर्ट्स मिशन द्वारा प्रोडूस की गई फिल्म है और इसमें मॉडल टर्न अभिनेत्री के आइटम डांस गाने के ग्लैमरस दृश्य हैं, जो ट्रांसकीन मॉडल नव्या सिंह द्वारा किया गया प्रदर्शन, फिल्म का एक आकर्षण है। नव्या को इस रोल के लिए काफी कड़े ऑडिशन के बाद चुना गया था। उनके इंटेंस परफॉर्मेंस को फिल्म में उनके बोल्ड डायलॉग में देखा जा सकता है। कामुक डांस नंबर में दुख के दृश्यों और ग्लैमरस लुक के प्रति उनका संवेदनशील नजरिया काफी तेज गति से बॉलीवुड में अपनी सीढ़ी चढ़ने का काम कर रहा है। यह बॉलीवुड इंडस्ट्री में नव्या का पहला आइटम नंबर परफॉर्मेंस है, जिसमें एक दुर्दशापूर्ण स्थिति में फंसी कई लड़कियों को बचाने की बेहद गंभीर और संवेदनशील कहानी है। नव्या ने फिल्म में कई दृश्यों में ग्लैमर और संवेदनशीलता का सही संतुलन बनाया है और दर्शक उनकी प्रतिभा के इस ज्वलंत संयोजन को देखने के लिए उत्सुक हैं। मूवी में स्टैंडअप कॉमेडी स्टार टर्न अभिनेता सुनील पाल के साथ-साथ 'शोषण-मुक्त भारत' के दूरदर्शी श्री एंसन थॉमस ने अपनी बायोपिक 'प्लेज टू प्रोटेक्ट' में काम किया है। नव्या सिंह कहती हैं, इस तरह की गहन कहानी का हिस्सा बनने और गंभीर अभिव्यक्ति, भावनात्मक दृश्यों, आइटम गीत के लिए ग्लैमरस चाल, बोल्ड डायलॉग डिलीवरी, के मामले में अत्यधिक मांग की भूमिका निभाने के लिए बहुत साहस चाहिए। फिल्म एक्शन, ड्रामा, ग्लैमर का संपूर्ण पैकेज है और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह एक सच्ची कहानी है, जो दर्शकों को वेश्यावृत्ति के पेशे में फंसी लड़कियों के दर्द की सच्चाई दिखाएगी और उनका बचाव मिशन दर्शकों के रोंगटे खड़े कर देगी।

सख्त कदम: रेमडेसिविर इंजेक्शन के निर्यात पर रोक

देश में किल्लत व कालाबाजारी के बाद लिया फैसला

संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कोरोना मरीजों के इलाज में काम आ रहे रेमडेसिविर इंजेक्शन व इसके ड्रग के निर्यात पर रविवार को रोक लगा दी। कोरोना के हल्के लक्षण वाले मरीजों के उपचार में इसका उपयोग होता है। बीते कुछ दिनों से देश के कई हिस्सों में इसकी किल्लत व कालाबाजारी की खबरें आ रही थीं। भारत सरकार ने रविवार को ट्वीट कर बताया कि रेमडेसिविर इंजेक्शन और इसके उत्पादन में सहायक ड्रग रेमडेसिविर 'एक्टिव फार्मास्यूटिकल इनग्रेडिएंट्स' (एपीआई) के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। यह आदेश देश में कोविड-19 के हालात सुधरने तक लागू रहेगा।

निर्माताओं को उत्पादन बढ़ाने को कहा: सरकार ने कहा कि आने वाले दिनों में देश में रेमडेसिविर इंजेक्शन की मांग और बढ़ने की संभावना है। औषधि विभाग इस इंजेक्शन के घरेलू निर्माताओं से संपर्क में है। उन्हें इसका उत्पादन बढ़ाने को कहा गया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने देश की सभी रेमडेसिविर निर्माता इकाइयों से कहा है कि वे अपनी वेबसाइट पर अपने स्टॉकिस्टों व वितरकों का पूरा ब्योरा दें, ताकि देश में इनकी आपूर्ति बढ़ाई जा सके। ड्रग्स इंस्पेक्टरों व अन्य अधिकारियों को भी निर्देश दिया गया है कि वे स्टॉक की जांच करें और जमाखोरी व कालाबाजारी रोकें।

इंजेक्शन के लिए पुणे में बनाया कंट्रोल रूम: उधर, महाराष्ट्र के पुणे में रेमडेसिविर इंजेक्शन की सुगम आपूर्ति के लिए कंट्रोल रूम बनाया गया है। जिन लोगों को इस इंजेक्शन की जरूरत हो वे 020-26123371 पर या टोल फ्री नंबर 1077 पर कॉल कर सकते हैं। यह कंट्रोल रूम 31 मई तक सक्रिय रहेगा। बता दें, देश के कई शहरों में बीते कुछ दिनों से रेमडेसिविर इंजेक्शन की भारी किल्लत हो रही है। अस्पतालों में नहीं मिलने के बाद पीड़ित लोग दवा दुकानों पर पहुंच रहे थे तो वहां भी मुंह मांगी कीमत देने पर भी नहीं मिल रहे थे। इंजेक्शन की कमी को लेकर इनकी जमकर कालाबाजारी के भी आरोप लगाए जाने लगे। मोटी कीमत पर इन्हें बेचे जाने के भी मामले सामने आए थे। इसके बाद सरकार ने इनका निर्यात रोक कर घरेलू आपूर्ति बढ़ाने का निर्णय लिया है।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी, मुठभेड़ में एक लाख का इनामी नक्सली ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में रविवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया, जिसके सिर पर एक लाख रुपये का इनाम था। दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने बताया कि कटेकल्याण थाना सीमा क्षेत्र के तहत गादम और जंगमपाल गांवों के बीच एक जंगल में अपराह्न करीब 2 बजे उस समय मुठभेड़ हुई, जब जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की टीम नक्सल रोधी अभियान पर थी। उन्होंने कहा, 'गोलीबारी रुकने के बाद, राजधानी रायपुर से लगभग 400 किलोमीटर दूर स्थित, घटनास्थल से नक्सली वेट्टी हंगा का शव बरामद हुआ। मुठभेड़ स्थल से आठ एमएम की एक पिस्तौल, एक देशी बंदूक, दो किलोग्राम का आईईडी, बैग, दस्तावेज और दवाएं बरामद हुईं।' पल्लव ने कहा कि हंगा प्रतिबंधित माओवादी संगठन का 'मिलिशिया कमांडर' था और उसके सिर पर एक लाख रुपये का इनाम था। घटना के बारे में आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने बताया कि दंतेवाड़ा डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड के साथ गादम और जंगमपाल गांवों के बीच जंगल में मुठभेड़ हुई है। जिसमें एक नक्सली मारा गया है, जिसके सिर पर 1 लाख रुपये का इनाम था। वहीं मौके से एक 8 एमएम पिस्टल, एक देसी बंदूक, 2 किलोग्राम आईईडी के साथ अन्य सामान बरामद किया गया है।

10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं पर एकसमान फैसला लें केंद्र सरकार: शिवसेना

मुंबई। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर देश में 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं पर एकसमान फैसला लेने की केंद्र सरकार से अपील की है। शिवसेना के मुख्य प्रवक्ता अरविंद सावंत ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक को 10 अप्रैल को लिखे पत्र में कहा कि किसी भी राज्य द्वारा अपनी तरफ से फैसला लेने से उस राज्य के छात्र को करियर तथा नौकरी के अवसरों में नुकसान होगा। सावंत ने अपने पत्र में कहा, आपके हस्तक्षेप का मतलब किसी राज्य द्वारा एकतरफा फैसला लेने के बजाय राष्ट्रीय सर्वसम्मति होगी। दक्षिण मुंबई से लोकसभा सांसद ने देश के लिए एकसमान फैसला लेने की अपील की ताकि सुरक्षा उपायों या अवसरों के लिहाज से किसी भी राज्य के 10वीं और 12वीं के छात्रों के खिलाफ कोई भेदभाव न हो। सावंत ने कहा, भारत में कई बोर्ड-सीबीएसई, आईसीएसई, राज्य बोर्ड, आईबी और आईजीसीएसई चल रहे हैं। देश भर में परीक्षाओं को लेकर शिक्षा मंत्रालय की तरफ से स्पष्ट आदेश होना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई युवाओं को अप्रैल-मई में अपनी स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय की परीक्षाएं देनी हैं। सावंत ने कहा कि ये सभी छात्र ऐसे आयु वर्ग के हैं जिन्हें अभी टीका नहीं लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ ही दिनों में परीक्षाएं होनी हैं जिससे कई छात्र और उनके परिवार, शिक्षक तथा गैर शिक्षण कर्मियों के लिए खतरा पैदा हो जाएगा।

fresh & easy
GENERAL STORE

ALL TYPES OF SAUDI DATES AVAILABLE
SPECIALIST IN:
DRY FRUITS
& MANY MORE ITEMS AVAILABLE HERE
Fast & Free DELIVERY
ADDRESS + 91 8652068644 / + 91 7900061017
Shop No. 18, Parabha Apartment, Sejal Park, Beside Oshiwara
Bus Depot, Link Road, Goregaon (W), Mumbai-400104

बुलढाणा हलचल

वीकेंड लॉकडाउन पर बुलडाणा जिले की सड़कों पर सन्नाटा, केवल अत्यावश्यक सेवा रही जारी, लोगों ने भी घर से बाहर नहीं निकलना बेहतर समझा

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। सरकार द्वारा 'ब्रेक द चेन' के तहत राज्यभर में लॉकडाउन लगाकर वीकेंड में शनिवार और रविवार को संपूर्ण लॉकडाउन घोषित किया गया था। व्यापारियों ने सोमवार से शुक्रवार तक के लॉकडाउन का विरोध किया था, लेकिन शनिवार व रविवार को दुकानें बंद करने की सहमति दशार्यी थी। इसके तहत आज बुलडाणा शहर की दुकानें बंद रहीं तथा सड़कों पर सन्नाटा देखा गया। संपूर्ण लॉकडाउन का समर्थन शहर के नागरिकों द्वारा भी देखा गया। बीते दिन ही लोगों ने जरूरी सामग्री खरीद ली थी। आज

सुबह के समय कुछ इलाकों में जरूरी सामान की खरीदारी के लिए लोग देखे गए लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद सड़कों पर सन्नाटा छा गया। मेडिकल सहित अत्यावश्यक सेवा की दुकानें खुली थीं लेकिन आज हर दिन की तरह सड़कों पर भीड़ दिखाई नहीं दी। शहर के ईकबाल, जैतंभ चौक, कारंजा चौक, जनता चौक आदि सभी इलाकों की दुकानों को व्यापारियों ने बंद ही रखा। यही स्थिति शहर के ईलाकों की भी थी। ग्रामीण क्षेत्रों में सन्नाटा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी सन्नाटा आज सन्नाटा पसरा था। तहेसील बुलडाणाा, खामगांव, लोणार, मलकापुर, मोताळा, नादुंरा,देवलगाांव राजा,भी दुकानें नहीं खुली। कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए नागरिकों ने भी घर से बाहर नहीं निकलना बेहतर समझा।

बुलडाणा में सीसी रोड के निर्माण कार्य का जायजा नगर पालिका के पार्षद मुहम्मद सज्जाद ने लिया

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। शहर में नगर पालिका के ओर से नगर अध्यक्षा के पति मुहम्मद सज्जाद की निगरानी में, प्रभाग नं. 2, 3 और 4 में 2 करोड रुपयों कि निधि से सीसी सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है। शहर के इकबाल चौक से लेकर क्रांति नगर काशीनाथ बाबा मठ तक बन रहे बडे सिमेंट रोड का जायजा मो. सज्जाद सेठ ने लिया। साथ ही मे प्रभाग के नागरिक से मुलाकात की। इस अवसर पर वार्ड में चल रहे सीसी रोड कार्य के लिए इकबाल चौक के निवासियों ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर, मुहम्मद सज्जाद ने कहा कि नगर विभाग द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में करोड़ों रुपये की निधि से विकास कार्य किए जा रहे हैं। विशेष रूप से जिन प्रभागों मे सडक कि खस्ता हालत होने के कारण स्थानीय नागरिकों को आना-जाने मे मुश्किल उठानी पड रही थी। इन ईलाकों में बड़े पैमाने पर सीमेंट सड़क के काम शुरू किए गए हैं जो 15 वर्षों से वार्ड निवासि ईन विकास कामों से से वंचित थे। उन्होंने कहा कि बुलडाणा शहर के सभी पिरसर में लोगों को बुलडाणा नगर पालिका द्वारा सभी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। इस अवसर पर नगरपालिका के पार्षद, और वार्ड के निवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

कोरोना के नियमों का पालन करते हुए त्योहारों और समारोहों का जश्न मनाएं : शांति समिति की बैठक में की अपील

बुलडाणा। पिछले कुछ दिनों से शहर सहित जिले में कोरोना के मरीज बढ़ रहे हैं। इसलिए, प्रशासन पूरी कोशिश कर रहा है कि कोरोना की घटनाओं में वृद्धि न हो। समुदाय के सभी सदस्यों को सतर्क रहने की आवश्यकता है ताकि कोरोना संकट आगे न बढ़े। इसके लिए 10 अप्रैल, 2021 को शहर के पुलिस स्टेशन में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में, आगामी समय में महापुरुषों की वर्षगांठ, त्योहारों

और समारोहों का जश्न मनाते हुए, सरकार द्वारा निर्धारित कोरोना के नियमों का पालन किया जाना चाहिए, ऐसी अपील शहर पुलिस की ओर से की गई है। आगामी महात्मा फुले जयंती, गुडीपडवा, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जयंती, श्रीराम नवमी, हनुमान जयंती, मुस्लिम भाइयों का पवित्र रमजान महीना, महावीर जयंती आदि त्योहार, उत्सव, महापुरुषों की जयंती मनाई जाएगी। इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, शहर पुलिस स्टेशन में एक शांति समिति की बैठक आयोजित की गई थी। इस बैठक में कोरोना के बढ़ते प्रचलन को देखते हुए कुछ नियम निर्धारित किए गए हैं। इस बार कोरोना अवधि के दौरान मास्क पहने हुए,सैनिटाइजर का उपयोग करना। इसके अलावा, महापुरुषों की जयंती के अवसर पर रैलियां और भीड़-भाड़ वाले कार्यक्रम नहीं होने चाहिए।सुरक्षित दूरी रखते हुए, पर्याप्त सावधानी के साथ रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाना चाहिए.बैठक में अपर पोलीस अधीक्षक बजरंग बनसोडे, उपविभागीय पोलीस अधिकारी रमेश बरकते, नायब तहसीलदार सानप, शहर ठाणेदार प्रदीप साळुखे, दादाराव गायकवाड, दिपक मोरे पत्रकार, बाळू ठाकरे, जीवन गवई, चेतन घेवंदे, श्रीकांत जाधव, आशिष खरात, प्रभाकर वाघमारे, दिगंबर साठे, सुमित सरदार, किरण गायकवाड, दिलीप जाधव, सुमित गायकवाड, मोईन काझी, बबलू कुरेशी, मो.दानिश अजहद, जाकीर कुरेशी, जमीर शेख, हाफिज कुरेशी सहित पुलिस कर्मी मौजूद थे।

मधुबनी हलचल

नबी की शान में गुस्ताखी करने वाले 'नरसिंहानन्द' की अविलंब गिरफ़्तारी के लिए विरोध मार्च आज: बेदारी कारवां

मधुबनी संवाददाता/मो सालिम आजाद

दरभंगा। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में महंत नरसिंहानन्द सरस्वती एवं अन्य व्यक्तियों ने मजहबे इस्लाम और पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम के खिलाफ अभ्रद भाषा का प्रयोग किया था इस मामले के बाद मुसलमानों में काफी आक्रोश पाया जा रहा है। दिल्ली समेत देश के कोने कोने में नरसिंहानन्द के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया लेकिन अबतक

पुलिस ने उसे गिरफ़्तार नहीं किया है। अगर ऐसे व्यक्ति को धार्मिक उन्माद फैलाने, किसी धर्म विशेष को अपशब्द बोलने, भारत की एकता अखंडता को तोड़ने की खुली छूट दे दी जाए तो फिर कानून और संविधान का कोई मतलब नहीं बनता। इसलिए नरसिंहानंद की अविलंब गिरफतारी के लिए कल दिनांक- 12 अप्रैल, 2021 को दिन के 11 बजे किलाघाट से दरभंगा कमिश्नरी तक विरोध मार्च निकाला जाएगा। मार्च में सभी व्यक्ति को मास्क लगाना अनिवार्य है।

अमरावती हलचल

नरसिंहानंद सरस्वती पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए, ग्रीन इंडिया ग्रुप ने कि जिलाधिकारी मार्फत प्रधानमंत्री से मांग

अमरावती। दिल्ली के प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता लेकर यती नरसिंहानंद सरस्वती ने इस्लाम मजहब के खिलाफ इस्लाम के पैगंबर साहब के खिलाफ आपत्तिजनक वक्तव्य दिया है। जिसके निषेध में ग्रीन इंडिया ग्रुप ने अमरावती ज़िला अधिकारी मार्फत देश के प्रधान सेवक नरेंद्र मोदी से मांग की के नरसिंहानंद सरस्वती पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और उसे गिरफ्तार किया जाए। अमरावती शहर के ग्रीन इंडिया ग्रुप के निवेदन के माध्यम से कहा गया कि देश में विभिन्न धर्म के लोग, विभिन्न भाषाएं बोलने वाले लोग, विभिन्न संस्कृति के मानने वाले लोग अपनी जिंदगी हंसी खुशी बसर करते हैं। देश की यह गंगा जमुना तहजीब विश्व में प्रसिद्ध है। भारत देश की संस्कृति जो पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। इसका श्रेय पूरा पूरा हमारे देश के संविधान को जाता है। जिसने इन सभी को एकता के एक धागे में पूरे के रखा है। हमारे देश के संविधान की यह विशेषता है। देश में हम देखते हैं। आए दिन जहरीली मानसिकता वाले समाज कंटक लोग जो देश की एकता और अखंडता को धूमिल करना चाहते हैं। देश की एकता और अखंडता को तोड़ना चाहते हैं। आए दिन ऐसे वक्तव्य देकर देश की शांति भंग करना चाहते हैं। नरसिंहानंद सरस्वती ऐसे लोगों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार करना चाहिए। निवेदन देते समय ग्रीन इंडिया ग्रुप के प्रमुख डॉ असलम भारती, शाह अब्दुल करीम, हाफिज मोहम्मद असलम, मोहम्मद शकील, अब्दुल अलीम, शेर ए हिंद शहीद टिपु सुल्तान संघठन के सलमान खान एटीएस, सै अमीर सुहैल, उजैफ आलम, मोहम्मद अशफाक, मोहम्मद अतीक आदि उपस्थित थे।

राजस्थान हलचल

मुस्लिम महासभा ने हाफिज-ए-कुरआन को किया पुरुस्कृत

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

आमेट। मुस्लिम महासभा द्वारा आमेट निवासी 16 वर्षीय हाफिज अब्दुल खलील कुरेशी जिसने इतनी छोटी सी उम्र में कुरआन हिफ़्ज़ करते

हुए हाफिज बने इनकी हौसला अफजाई के लिए आमेट स्टेशन आसन मदरसा पर मुस्लिम महासभा के मोहम्मद साबीर उदयपुर द्वारा एक हजार एक सौ रुपए नजराना देकर पुरुस्कृत किया। जिससे की ओर भी बच्चे बच्चियों की तालीम के प्रति रुचि बढ़े। इस दौरान महासभा के राष्ट्रीय सह सचिव जाफर खान फौजदार, जिलाउपाध्यक्ष फारुख पठान, ब्लॉक अध्यक्ष ईलाहीबख्श कुरेशी, उपाध्यक्ष आजाद शाह, अब्दुल जमील अहमद, मोइनुद्दीन कुरेशी सहित मौलाना मोहम्मद बुरहान अजहरी मौजूद रहे।

हसन अली गौरी बने सोनिया ब्रिगेड ऑल इंडिया कांग्रेस के प्रदेश सचिव

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। सोनिया ब्रिगेड ऑल इंडिया कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ रामकुमार ने किया अपनी कार्यकारिणी का विस्तार जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष मंगल निशा चौरसिया के आदेश अनुसार बीकानेर के हसन अली गौरी को प्रदेश सचिव बनाया। गोरी के सचिव बनने पर प्रदेश पर्यवेक्षक सुबुद्धि सिंह मीणा, बीकानेर संभाग प्रभारी अनारदीन गौरी, महिला प्रदेश अध्यक्ष मुमताज शेख, बीकानेर शहर जिला अध्यक्ष रमेश कुमार गहलोत, शहर वरिष्ठ उपाध्यक्ष भूपेश कुमार मारू, जिला महासचिव कामराज गोयल, बीकानेर ब्लॉक अध्यक्ष इस्लामुद्दीन खिलजी, सहित बहुत सारे लोगों ने हार्दिक शुभकामनाओं के साथ बधाइयां दी।

सरकार के दिशा निर्देशों के अन्तर्गत चलाया जा रहा

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा रामपुर। सरकार के दिशा निर्देशों के अन्तर्गत चलाया जा रहा मास्क अभियान साथ ही नगर के मुख्य बाजार के अन्दर दुकानदारों के सामने बने नालों पर दुकानदारों द्वारा उन पर सामान आदि रखकर तंग कर दिया गया है जबकि नाले पर दुकानदारों के ग्राहकों के खड़ा होने एवं सामान आदि खरीदें जाने को लेकर व्यवस्था कर दी गई हैं लेकिन दुकानदार अपना ताना शाही का रवैया अपना कर नाले पर सामान आदि रखे जाने से बाज तक तक नहीं आ पा रहे हैं नगर पालिका परिषद द्वारा दुकानदारों चालान कांट कर जुर्माना तक वसूला जा रहा है दुकानदार भी अपनी हठधर्मिता से अलग नहीं है नालें के आगे फल सब्जी के ठेले लगा लिये जाते हैं मार्ग तंग एवं अवरूद्ध होकर रह जाता हैं

टीम को देखकर फल सब्जी आदि के ठेले लगाने वाले मौका पाकर भागने में सफल हो जाते हैं जो जुर्माना चालान से बच जाते हैं उधर मुख्य मार्ग की दशा खराब होने के चलते मार्ग पर गहरे गडढे होकर रह गये हैं बाइक संख्या up 21 Bx 5029 पर सवार होकर जा रहा था अचानक गडढे में आने के कारण बुरी तरह अनियर्यंत्रित होकर गिर गया जिसको नगर पालिका के एक ठेका कर्मी ने उसको किसी तरह घायल होने से बचा लिया गया मौके पर मास्क आदि की चेकिंग की जा रही थी विभागीय स्तर पर मार्ग के प्रति जरा भी तवज्जो नहीं दी जा रही हैं जबकि व्यापार मण्डल वसियासी तौर पर गडढा मुक्त किये जाने को लेकर लगातार अवगत कराया जा रहा है अभियान के दौरान जे. ई दीपक कुमार शाह, फारूक हुसैन अक्खू, सुदेश, सुरेश, आदि सफाई कर्मी मौजूद रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्किन प्रॉब्लम के हिसाब से तैयार करें अलग-अलग एलोवेरा फेसपैक

एलोवेरा में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते है जो त्वचा से जुड़ी कई परेशानियों से राहत दिलाने में मदद करते हैं। यह चेहरे से मुंहासे, दाग-धब्बे, डेड स्किन हटा कर स्किन को बेदाग और खूबसूरत बनाती है। इसे बहुत सारे ब्यूटी प्रॉडक्ट्स में भी इस्तेमाल किया जाता है। आप अपनी स्किन प्रॉब्लम के हिसाब से घर पर इसका फेसपैक बना कर इसे चेहरे पर अप्लाई कर सकते हैं। आज हम आपको अलग-अलग स्किन प्रॉब्लम के हिसाब इससे फेसपैक बनाना और इसे लगाने का तरीका बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके आप अपनी खूबसूरती को बरकरार रख सकेंगे।

1. मुंहासे और दाग धब्बे

इस समस्या से राहत पाने के लिए एलोवेरा और ऑलिव ऑयल का फेसपैक तैयार करके इस्तेमाल किया जा सकता है। इसे बनाने के लिए 1 चम्मच एलोवेरा जेल में 1 चम्मच ऑलिव ऑयल और 1 चम्मच नींबू का रस अच्छी तरह से मिलाएं। इसे दाग-धब्बों और मुंहासों पर 10-15 मिनट तक लगाएं। फिर चेहरे को पानी से धोएं।

2. बेदाग और ग्लोइंग फेस के लिए

इसके लिए एलोवेरा और गुलाबजल से तैयार फेसपैक काफी फायदेमंद है। गुलाबजल स्किन को हाइड्रेट करने में मदद करता है। इससे पैक बनाने के लिए एलोवेरा जेल और गुलाबजल बराबर मात्रा में अच्छी तरह से मिलाएं और फिर इसे 20 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। अब इसे पानी से धोएं।

3. ड्राई स्किन हटाने के लिए

इससे राहत पाने के लिए एलोवेरा जेल और बादाम का इस्तेमाल करें। इस पैक को बनाने के लिए 10 बादाम को रातभर भिगोकर रखें और सुबह

इसे पीसकर पेस्ट बना लें। फिर इसमें एलोवेरा जेल मिलाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर अप्लाई करें और 15 बाद इसे पानी से धो लें।

4. चेहरे से गंदगी हटाने के लिए

धूल-मिट्टी के कारण इस समस्या से हर कोई परेशान है। इससे राहत पाने के लिए 2 टेबलस्पून ऐलोवेरा जेल, 1 चम्मच दही और 1 चम्मच शहद या नींबू का रस मिला कर फेसपैक तैयार करें। अगर आपकी स्किन ड्राई है तो इसमें शहद मिलाएं और अगर समान्य है तो नींबू मिला लें। इस पैक को 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं और बाद में धो लें। इससे चेहरे की गंदगी तो साफ होगी, साथ ही में त्वचा को पोषण भी मिलेगा।

5. मुंहासों से भरा चेहरा

अगर आपके चेहरे पर बहुत ज्यादा मुंहासे हैं तो एलोवेरा और नीम से तैयार फेसपैक बहुत कारगार उपाय है। इसे बनाने के लिए 2 टेबलस्पून एलोवेरा जेल, 1 टीस्पून शहद, मुठ्ठीभर नीम की पत्तियां, 2 से 3 तुलसी की पत्तियां और पानी डाल कर अच्छी तरह से पीस कर पेस्ट तैयार कर लें। पत्तों को इस्तेमाल करने के लिए पहले इस धो लें। इस पैक को चेहरे पर 10 से 15 मिनट तक लगाएं और बाद में धोएं। इस उपाय से आपको मुंहासों से बहुत जल्दी राहत मिलेगी।

डाइट में शामिल करें ये 7 तरह के बीज, सेहत की कई प्रॉब्लम रहेगी दूर

हर कोई अच्छे, हैल्दी और स्वस्थ जीवन की ख्वाहिश रखता है। स्वस्थ रहने के लिए आप कई फल और सब्जियों का सेवन भी करते हैं। अक्सर लोग घरों में फल और सब्जियों में मौजूद बीज निकालकर फेंक देते हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह सेहत के लिए कितने फायदेमंद है। आज हम आपको बेकार समझें जाने वाले ऐसे ही कुछ बीजों के बारे में जानेंगे जिनका कई मिठाईयों में इस्तेमाल भी किया जाता है। पोषक तत्वों से भरपूर ये बीजों आपको स्वस्थ रखने के साथ-साथ छोटी-बड़ी बीमारी को दूर भी करते हैं। इन बीज को अपनी डाइट में शामिल करके आप शरीर के कई रोगों से कोसो दूर रह सकते हैं।

1. कद्दू के बीज

विटामिन-बी और फॉलिक एसिड से भरपूर कद्दू के बीजों का सेवन मूड को बेहतर करने में मदद करता है। इसके अलावा यह डायबिटीक मरीजों के लिए फायदेमंद होते हैं। आप इसे रोस्ट करके अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

2. कटहल के बीज

कटहल की सब्जी खाना तो हर किसी को पसंद होता है लेकिन इसके बीजों को आप

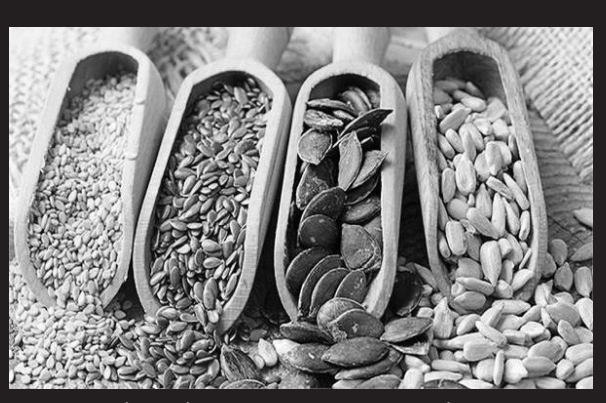

बेकार समझ कर फैंक देते हैं। मगर जिन लोगों को भूख कम लगती है, उनके लिए कटहल के बीज किसी वरदान से कम नहीं हैं। कटहल के बीजों को रात में भिगोकर सुबह खाने से इससे भूख बढ़ती है।

3. तरबूज के बीज

वजन कम करने के लिए तरबूज के बीज सबसे बेस्ट माने जाते है। इसके लिए आप इन बीजों को छिलकर दूध या पानी के साथ इसका सेवन करते हैं। इसके अलावा आप इसे रोस्ट करके भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

4. अंगूर के बीज

अंगूर के बीज एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन-ई से भरपूर होते हैं, जोकि शरीर में सॉफ्ट टिशूज को रैडिकल्स से सुरक्षित रखते हैं। इससे डायबिटीज का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है।

5. अनार के बीज

अनार के बीजों में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, कैंसर और दिल की बीमारी की रोकथाम के लिए बेस्ट होते हैं। एंटीआक्सीडेंट्स, जो शरीर में खून के थक्के को नहीं जमने देते, साथ ही ये आपके शरीर को बेहतर शेप में रखने के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। इन बीजों को ग्रीन सलाद के साथ खाया जा सकता है।

6. अलसी के बीज

अलसी के बीज सेहत के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। इसका सेवन शुगर लेवल को कंट्रोल करने के साथ-साथ मांसपेशियों को भी मजबूत बनाता है। इसके अलावा भी इसका सेवन आपको कई बीमारियों से बचाता है।

7. सूरजमुखी के बीज

मैग्नीशियम, कॉपर और विटामिन-ई से भरपूर इन बीजों का सेवन दिल के रोगी के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके अलावा इससे वजन भी कंट्रोल में रहता है।

शादी के बाद क्यों होते हैं चेहरे पर मुंहासे?

एक्ने चेहरे पर होने वाली सबसे ज्यादा और आम परेशानियों में से एक है। शादी के बाद कुछ लोगों में यह समस्या ज्यादा बढ़ जाती है क्योंकि मुंहासों से कुदरती खूबसूरती बिगड़ने लगती है। लगातार एक्ने रहने की वजह से फेस पर दाग-धब्बे,कालापन,गहरे गढ्ढे पड़ जाते हैं। कई बार तो इन निशानों को मेकअप के साथ छुपा जाना भी मुश्किल हो जाता है। जिससे पर्सनेलिटी पर भी बुरा असर पड़ता है, खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए स्किन से जुड़ी इन दिक्कतों से कारण का जानना भी बहुत जरूरी है। जिससे शादी के बाद होने वाले एक्ने को दूर किया जा सके। आइए जानें आखिर शादी के बाद एक्ने होने कौन सी वजहों से हो जाते हैं चेहरे एक्ने।

शादी के बाद एक्ने होने के कारण

1. शारीरिक संबंध

शादी के बाद चेहरे पर मुंहासे होने का कारण शारीरिक संबंधों से लिया जाता है। हालांकि यह कहना मुश्किल है कि संबंध भी मुंहासों की वजह हो सकते हैं लेकिन इस दौरान बॉडी में जिन सीबम और बैक्टीरिया का उत्पादन होता है उसे प्रोपिओनिबैक्टीरियम यानि P. acne (Propionibacterium acnes) कहा जाता है। इस तरह के मुंहासे चेहरे और गर्दन पर देखने को मिलते हैं लेकिन डॉक्टरी परामर्श से इसका इलाज करवाया जा सकता है।

2.

हॉर्मोन में बदलाव

एक्ने की एक खास वजह हॉर्मोन में बदलाव भी हो सकता है। हार्मोनल और जेनेटिक समस्याओं से खुद को बचा पाना काफी मुश्किल होता है।

टीनएज,पीरियड्स और शादी के बाद हॉर्मोंस में आने वाले बदलाव से मुंहासे हो जाते हैं क्योंकि इससे अंदरूनी शरीर में बहुत बदलाव आ जाता है। इसके लिए डॉक्टरी परामर्श लेना जरूरी है।

3. ब्यूटी प्रॉडक्ट शेयर करना

पति-पत्नी कई बार एक ही प्रॉडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। जिससे स्किन एलर्जी होने का डर रहता है। जिससे एक्ने होने के चांस बढ जाते हैं। शादी से पहले या फिर शादी के बाद चेहरे पर इस्तेमाल किए जाने वाले ब्यूटी प्रॉडक्ट को शेयर नहीं करना चाहिए।

4. बेडशीट्स का गंदा होना

बेड शीट्स का गंदा होना भी एक्ने का कारण बनता है क्योंकि बॉडी के बैक्टीरिया बेड शीट्स पर गिर जाते हैं और रात के समय इस पर सोने से चेहरा भी इन बैक्टीरिया की चपेट में आता है। जिसका असर पोर्स पर पड़ता है और मुंहासे होने लगते हैं।

5. पसीना

पसीना भी एक्ने की वजह हो सकता है। पार्टनर के साथ बैड शेयर करते समय साफ शारीरिक साफ-सफाई का ध्यान रखना भी बहुत जरूरी है। कुछ लोगों को पसीना बहुत ज्यादा आता है, जिससे दूसरों के स्किन एलर्जी होने का भी डर रहता है। इस वजह से बार-बार कील,मुंहासों की परेशानी हो सकती है, जिससे दूर करने के लिए साफ-सफाई का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आलिया और रणवीर सिंह को लेकर करण बनाएंगे फिल्म

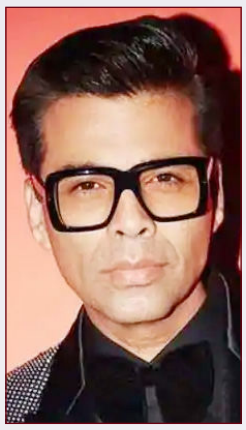

करण जौहर एक बार फिर फिल्म निर्देशित करने के मूड में हैं। अपनी आदत के मुताबिक वे लव स्टोरी आधारित मूवी बनाएंगे। इस फिल्म की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। कलाकार चुने जा चुके हैं। सिर्फ परिस्थितियों के सामान्य होने का इंतजार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट हीरो-हीरोइन के रूप में दिखाई देंगे। करण के लिए आलिया घर की हीरोइन हैं। बिना स्क्रिप्ट सुने वे करण के बैनर की फिल्मों के लिए हां कह देती हैं। दूसरी ओर रणवीर और करण के बीच बेहतरीन संबंध है। आलिया और रणवीर को कुछ विज्ञापनों में साथ देखा जा चुका है। साथ ही वे गली बॉय नामक फिल्म भी साथ कर चुके हैं। दोनों की जोड़ी को भी पसंद किया जाता है। इस फिल्म का अनाउंसमेंट जल्दी हो सकता है।

इस वजह से अक्षय कुमार को पहली गर्लफ्रेंड ने कर दिया था रिजेक्ट

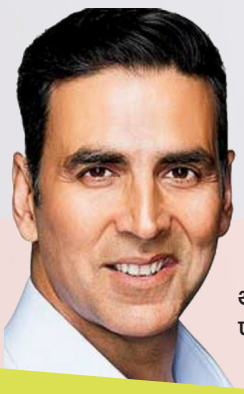

बॉलीवुड के सबसे फिट अभिनेता अक्षय कुमार अक्सर अपने दमदार एक्शन, फ्राइट सीन्स और कॉमेडी टाइमिंग के लिए खूब चर्चा रहते हैं। इसी के साथ इंडस्ट्री में उनके अफेयर्स के किस्से भी किसी से छुपे नहीं हैं। अक्षय कुमार ने कई दिलों को तोड़ने के बाद एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना का हाथ थामा था। लेकिन अक्षय कुमार जिस लड़की को वह पहली बार डेट कर रहे थे, उसने भी उन्हें रिजेक्ट कर दिया था। टीवी के पॉपुलर कॉमेडी शो 'द कपिल शर्मा शो' में अक्षय ने बताया थे कि मेरी सबसे बड़ी प्रॉबलम यह थी कि मैं बहुत ही शर्मिला था। मैं उस लड़की के साथ सिर्फ दो से तीन बार ही डेट पर गया था। एक बार मूवी देखने और एक बार रेस्त्रां में। अक्षय ने आगे बताते हुए कहा कि 'मैंने कभी भी उसका हाथ नहीं पकड़ा था और वह मेरे करीब आना चाहती थी और यही वजह थी कि उसने मुझे छोड़ दिया था। यह सुनकर कपिल शर्मा अक्षय से पूछते हैं कि 'इन सबसे आपको क्या सबक मिलता है?' खिलाड़ी ने इसका जवाब अपने ही अंदाज में देते हुए कहा कि 'उसके बाद मैंने पूरी तरह से यू-टर्न ले लिया था और अपने अंदर कई तरीके का बदलाव भी लाया।

कृति सिनेमाघरों में रिलीज करना चाहती हैं अपनी फिल्म 'मिमी'

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन इन दिनों अपने आने वाली ढेर सारी फिल्मों में बिजी हैं। साल 2021 में कृति सेनन अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के शेड्यूल में व्यस्त हैं। कृति कोरोना काल में पूरी सुरक्षा के साथ अपने कामों को लेकर पूरी तरह से सुरक्षा बरत रही हैं। काफी समय से कृति सेनन अपनी फिल्म 'मिमी' को लेकर सुर्खियों में रही हैं। कृति ने फिल्म की रिलीज की खबरों को लेकर अहम जानकारी दी है। कृति ने बताया कि कोरोनावायरस की मौजूदा परिस्थितियों में वह अपनी फिल्म 'मिमी' को थिएटर में रिलीज करने की प्राथमिकता देंगी। कोरोना महामारी से पहले पिछले साल मार्च में कृति की फिल्म 'मिमी' का प्रोडक्शन का काम समाप्त हो चुका है। इसके बाद से ही फिल्म की रिलीज को लेकर अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। कृति ने फिल्म को ओटीटी प्लेटफॉर्म और थिएटर में रिलीज करने के सवाल पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। कृति ने बताया कि ओटीटी प्लेटफॉर्म भी अच्छा कंटेंट उपलब्ध करवा रही है, लेकिन वह थिएट्रिकल रिलीज को प्राथमिकता में रखेंगी। कृति ने कहा, इसमें कोई शक नहीं कि ओटीटी प्लेटफॉर्म अच्छा काम कर रहे हैं और सभी इसका आनंद उठा रहे हैं। इस प्लेटफॉर्म पर कमाल का कंटेंट देखने को मिला है। एक कलाकार के रूप में सभी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचना चाहते हैं। जो इन प्लेटफॉर्म पर नहीं हैं उनकी भी इच्छा होती है कि उन्हें अधिक से अधिक दर्शक देखें।